

प्रेषक,

आर०के०मिश्र

अपर सचिव,

उत्तराखण्ड शासन.

सेवा में,

प्रमुख वन संरक्षक

उत्तराखण्ड, देहरादून.

वन एवं पर्यावरण अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक 30 जुलाई, 2009

विषय:-वन विभाग के अनुदान सं०-27 आयोजनेत्तर पक्ष में वित्तीय वर्ष 2009-10 हेतु वित्तीय स्वीकृति.

महोदय,

उपरोक्त विषयक वित्त विभाग के आदेश संख्या-515/XXVII(1)/2009, दिनांक 28 जुलाई, 2009 तथा शासनादेश सं०-805/X-2-2009-12(10)/2009 दिनांक 06 अप्रैल, 2009 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वन विभाग के आयोजनेत्तर पक्ष में संचालित योजनाओं की वचनबद्ध मदों हेतु पूर्व में अवमुक्त धनराशि रु० 44,07,16,000/-के अतिरिक्त रु० 113,31,94,000/- (रु० एक सौ तेरह करोड़ इक्कीस लाख चौरानवे हजार मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन प्रदान करते हैं :-

1. उक्त स्वीकृत व्यय चालू योजनाओं पर ही किया जाये और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए न किया जाय तथा विभिन्न मदों में व्यय से पूर्व वित्त अनुभाग-1 के शासन सं०-515/XXVII(1)/2009, दिनांक 28 जुलाई, 2009 द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुसार सक्षम स्तर की अनुमति प्राप्त कर ही किया जाय. शासन द्वारा वांछित सूचनाएँ एवं विवरण/मासिक प्रगति विवरण निर्धारित प्रारूप व समयबद्ध आधार पर शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम), आय-व्यय सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल), उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्टोरमेंट) नियमावली, 2008, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय.
2. योजनाओं की विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों एवं आदेशों के अनुसार ही किया जाये तथा जहां आवश्यकता हो सक्षम अधिकारी/शासन की पूर्व सहमति/स्वीकृति ली जाय.
3. मितव्ययता के सम्बन्ध में नियमों का कड़ाई से पालन किया जाय.
4. क्षेत्र की योजनाओं के सापेक्ष आवंटन अपने स्तर से किया जाय.
5. धनराशि का आहरण/व्यय यथा आवश्यकता ही किया जायेगा.
6. स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र महालेखाकार एवं शासन के वित्त विभाग को वर्षान्त तक अवश्य उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय.
7. अप्रयुक्त धनराशि बजट मैनुअल के प्रावधानों के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाय.

2- उक्त सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के अनुदान संख्या-27 के अन्तर्गत संलग्नक में उल्लिखित लेखा शीर्षक की सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा.

क्रमशः.....2

3- से आदेश वित्त विभाग के शासनदेश सं0-515/XXVII(1)/2009, दिनांक 28 जुलाई, 2009 के क्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

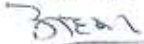
(आर0के0मिश्र)
अपर सचिव

संख्या-2/54(1)/X-2-2009, तददिनांकत।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार(आडिट), उत्तराखण्ड, वैभव पैलस, सी-1/105, इन्दिरानगर, देहरादून।
2. महालेखाकार(ए एण्ड ई), उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, माजरा, देहरादून।
3. मुख्य वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. आयुक्त गढ़वाल/कुमाऊँ मण्डल, उत्तराखण्ड।
5. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
7. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवार्य, देहरादून।
8. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय, देहरादून।
9. सम्बन्धित कोषाधिकारी/मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
10. प्रभारी, एन.आई.सी., उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
11. प्रभारी, मीडिया सेन्टर, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
12. गार्ड फाईल (जे)।

आज्ञा से,


(अहमद अली)
अनु सचिव

